No. of Printed Pages : 3

MSK-004

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. एस. के.-004 : आधुनिक संस्कृत साहित्य और साहित्यशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

निर्देश: निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. आधुनिक संस्कृति साहित्य की काव्य विधा में नाट्य रचना पर विस्तार से निबन्ध लिखिए।

2. 'जानकीजीवनम्' महाकाव्य के द्वितीय सर्ग का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. महामहोपाध्याय आचार्य रेवा प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

ददर्श राजा सहसैव तस्मिन्

वनप्रदेशे रुचिरं कुटीरम्।

अमात्यसंकेतितमात्मलक्ष्यं

गुरोर्गृहं गौतमनन्दनस्य

5. काव्यालंकार कारिका के अनुसार अलंकार की अवधारणा का विस्तार से वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश: अधोलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. अनूदित साहित्य का परिचय लिखिए।

2. आधुनिक संस्कृति साहित्य की वैविध्यपरक रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

3. 'जानकीजीवनम्' के प्रथम सर्ग का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. उपाख्यानमालिका के वर्ण्य-विषय पर प्रकाश डालिए।

5. काव्यालंकार कारिका के आधार पर काव्य-लक्षण की समीक्षा कीजिए।

6. 'जानकीजीवनम्' के द्वितीय सर्ग का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

7. काव्यालंकार कारिका के आधार पर काव्य का स्वरूप, शब्द-अर्थ सम्बन्धी विचारों का वर्णन कीजिए।